

SCHOOL OF SOCIAL SCIENCES DEVI AHILYA VISHWAVIDYALAYA, INDORE



NAAC Accredited 'A' Grade University

Takshashila Campus, Khandwa Road, INDORE 452001(M.P.), Telephone (office) 0731-2362140,0731-2362150 E-mail: soss.davv@gmail.com, Website: http://www.soss.dauniv.ac.in/

Number of quality initiatives by DQAC/IQAC per year for promoting quality culture 2014-15

Date: 01& 02 November, 2014

Topic: Challenges and Prospects of development in Madhya Pradesh

Chief Speakers: Mr. Vikram Verma (Ex. Minister, Govt. of India)

Mr. Narendra Nahata (Ex. Minister, Govt. of Madhya Pradesh)

Dr. Ganesh Kawadia (Renowned Economist) and HOD, School of Economics, DAVV Indore

Dr. K.Ahuja (Head, School of Social Science)

Organizer: Universal Peace and Social Development Society and School of Social Science

Report: Development foundation organized a seminar on "Challenges and prospects of development in Madhya Pradesh" on 1st November, 2014, at 5:00 PM in Pritamlal Dua Sabhagrah. The seminar was headed by Mr. Mukund Kulakarni .He welcomed the chief speakers Mr. Vikram Verma, Mr. Narendra Nahata and Dr. Ganesh Kawadia with warmth.Soon after the welcome chief speaker Dr. Ganesh Kawadia shared his views and experiences pointing at some key issues. He discussed that Madhya Pradesh is the second largest state of India but still lacks economic development. He highlighted that Madhya Pradesh is the largest producer of soyabean and pulses in the country and emphasized that other sectors should also be developed like this. He also brought into light that all the major railway lines pass through Madhya Pradesh and can become tracks of development in future.

Later Mr. Narendra Nahata critically evaluated development of Madhya Pradesh. He told that the economy of Madhya Pradesh is smaller than economy of other states. He raised his concern over slow industrial growth of Madhya Pradesh and its consequences. Afterwards, Mr. Vikram Verma focused

on development of cooperative societies in the state. He viewed Madhya Pradesh as a land of opportunities and focused on exploring new avenues of development. At last Head of development foundation Mr. Mukund Kulkarni thanked all the chief speakers Mr. Vikram Verma, Mr. Narendra Nahata, Dr. Ganesh Kawadia and Dr. Kanhaiya Ahuja presented the memento.

Second day, Dr. Kanhaiya Ahuja, HOD, SOSS delivered a lecture on challenges of future aspects of economy of MadhyaPradesh during the scenario, organized by Universal Peace and Social Development Society at Hotel Apsara on 02 Nov. 2014.



Name of Activity: Workshop

Date: 25 January 2015

Topic: Role of youth in National Development

Organizer: School of Social Scienceand Universal Peace and Social Development Society

Report

Role of youth in Nation formation on 25 January 2015 a workshop was held at Khalsa College, Indore. Around 200 students were gathered in this workshop. The workshop was jointly organized by universal peach and development society and School of Science, Devi Ahilya University, Indore. Firstly workshop was inaugurated by chief guest Mrs. Radha Bhatt. After that a lecture was delivered by speakers Mr. Anand Mohan Mathur, Usha and Jaydeep. The workshop was divided into three sessions. First session was held on topic role of youth in nation formation. In second session a discussion between speakers and students was held on various issues like. Future challenges of India, Women empowerment, better education system and role of youth in these fields. All students have given their valuable views & suggestions. The third session was open house session in which student asked their queries and got worthy responses by speakers. Finally workshop was ended with graceful thanks.







DEVI AHILYA VISHWAVIDYALAYA, INDORE

NAAC Accredited 'A' Grade University

Takshashila Campus, Khandwa Road, INDORE 452001(M.P.), Telephone (office) 0731-2362140,0731-2362150 E-mail: soss.davv@gmail.com, Website: http://www.soss.dauniv.ac.in/

Number of quality initiatives by DQAC/IQAC per year for promoting quality culture 2015-16

Date: 26 September, 2015

Seminar Topic: Stress Management and Personality Development through Sahaj Yoga.

Organiser: School of Social Science

Organizing Committee – Prof. K. Ahuja (Head), Dr. Jyoti Sharma (Course coordinator), Faculty Members Dr. Varsha Patel and Mrs. Sarika Dixit.

Report: School of Social Science under the leadership of Prof. Kanhaiya Ahuja HOD and Course coordinator Dr. Jyoti Sharma along with Dr. Varsha Patel and Mrs. Sarika Dixit organised Sahaj Yoga programme on 26th sep. 2015.

Under this programme the students of MSW 3rd and 1st semester had participated to attain the program. The chief guest Mr. Anil Tripathi had made aware the students about how we can manage our stress and can develop our personality through Sahaj Yoga. He also points out how stress can affect the individual personality. It can leads to tension, fear, anxiety and stop enjoying life. All this can be cured by the meditation and Yoga.





DEVI AHILYA VISHWAVIDYALAYA, INDORE

NAAC Accredited 'A' Grade University

Takshashila Campus, Khandwa Road, INDORE 452001(M.P.), Telephone (office) 0731-2362140,0731-2362150 E-mail: soss.davv@gmail.com, Website: http://www.soss.dauniv.ac.in/

Number of quality initiatives by DQAC/IQAC per year for promoting quality culture 2016-17

Date- 4/10/2016

Venue- School of Social Science, DAVV

Resource person- Mr. Ashutosh Joseph

Topic-Social professional work and Report writing

Time- 11:30 AM.

For upgrading the knowledge of professional social work, a one day seminar was conducted by Mr. Ashutosh Joseph on Social professional work and Report writing. All the students of M.S.W. were present in the lecture. Mr. Ashutosh Joseph discussed the 'Professional social work and its qualities, along with the importance of Report writing. The programme was coordinated by Dr. Kanhaiya Ahuja and Dr. Jyoti Sharma.







DEVI AHILYA VISHWAVIDYALAYA, INDORE

NAAC Accredited 'A' Grade University

Takshashila Campus, Khandwa Road, INDORE 452001(M.P.), Telephone (office) 0731-2362140,0731-2362150 E-mail: soss.davv@gmail.com, Website: http://www.soss.dauniv.ac.in/

Number of quality initiatives by DQAC/IQAC per year for promoting quality culture 2017-18



6 जनवरी 2018 को 3.00 बजे स्कूल ऑफ सोशल साइंसेस (देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर) द्वारा एक परिचर्चा का आयोजन 'रोल ऑफ टेक्नोलॉजी इन सोशल डेवलपमेंट' विषय पर विभागाध्यक्ष डॉ. रेखा आचार्य के नेतृत्व में किया गया।

जिसमें इन्होंने कहा कि तकनीकी विकास के साथ आज जरुरत है मानव मूल्यों के विकास की समय के साथ तकनीक बदल रही है इसके साथ समाज भी बदल रहा है परन्तु इन सब में सामाजिक मूल्य घटते जा रहे है अब सोशल इंटरकनेक्शन खत्म होता जा रहा है यह तकनीक का नकरात्मक प्रभाव है इससे बचने के लिए टेक्नोलॉजी और सामाजिक संबंधों में बैलेंस हो ये तभी संभव हो जब लोगों के अंदर वैल्यूज हो ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. नरेंद्र धाकड़ (कुलपति, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर) द्वारा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप सुनील चतुर्वेदी (निर्देशक, विभावरी, देवास) ने विषय से संबंधित अपने विचार व्यक्त किये, जिसमें इन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी ने हमारे जीवन को कई स्तरों पर बेहतर बनाया है। जाहिर है इसकी भूमिका महत्वपूर्ण है लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि टेक्नोलॉजी का हम किस तरह से इस्तेमाल कर रहे हैं इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलू हैं यह हमारे विवेक पर निर्भर करता है कि इसका इस तरह से इस्तेमाल किया जाए कि इससे हमारा और समाज का सही दिशा में विकास हो सके यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि टेक्नोलॉजी से समाज का अहित न हो इसलिए मानव विकास के लिए सस्टेनेबल डेवलपमेंट जरुरी है इसमें टेक्नोलॉजी हमारी मदद कर सकती है आज जिस प्रकार तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है, उससे सस्टेनेबल डेवलपमेंट की तरफ न जाते हुए विपरीत दिशा में जा रहा है यह मनुष्य विकास के लिए हानिकारक है आने वाली पीढ़ी को सिर्फ अपने बारे में न सोचते हुए समाज के विकास के बारे में सोचना चाहिए इसके लिए जरुरी है कि तकनीक का सकारात्मक विकास की ओर इस्तेमाल हो, यह बात सुनील चतुर्वेदी ने परिचर्चा में कही इतिहास के प्राध्यापक जे. सी. उपाध्याय जी ने भी तकनीक के ऐतिहासिक पक्ष के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सारिका दीक्षित एवं डॉ. वर्षा पटेल द्वारा किया गया। परिचर्चा में समाज विज्ञान अध्ययन शाला के फैकल्टी श्री अरविंद सिंह चौहान एवं सुश्री आकांक्षा त्रिपाठी अन्य महाविद्यालयों के प्राध्यापकगण, शोधार्थी एवं सभी छात्र छात्राएँ सम्मिलित हुए।

विशेष व्याख्यान दिनांक — 28/01/18 विशेष अतिथि— प्रो. अशोक मित्तल (अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ) विषय — शोध प्रविधि





आज दिनांक 28/01/18 को समाज विज्ञान अध्ययनशाला में शोध प्रविधि पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन विभागाध्यक्ष प्रो. रेखा आचार्य द्वारा कराया गया। जिसमें पीएच.डी. कोर्स वर्क के शोधार्थी उपस्थित हुये।

विशेष अतिथि द्वारा पीएच.डी. शोध लिखते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिये शोधार्थियों को बताया गया। उनके अनुसार शोध प्रविधि हर विषय की लगभग समान होती है परंतु यंत्र ;ज्ववसेद्ध अलग अलग होते हैं। साहित्य के पुर्नरावलोकन के अंतर्गत जरनर्ल्स, पुस्तकें पढना बहुत आवश्यक है।

साहित्य के पुर्नरावलोकन में टेक्स्ट बुक का उपयोग नहीं करना चाहिये। भूतपूर्व शोध कार्य का सारांश एक पैराग्राफ में लिखना चाहिये। तथा पुराने से नये प्रकाशन की ओर जाना चाहिये तािक यह पता चल सके कि लोग किन— किन मुद्दों पर शोध कर चुके हैं व शोध कर रहे हैं। इससे कौन से गेप है जिनको अपने शोध में पूरा करेंगे यह सामने आता है।

शोध विषय का चयन करते समय यह ध्यान रखना चाहिये कि क्षेत्र ऐसा न हो जिस पर बहुत काम हो गया हो। शोध लिखने में जिन तथ्यों का उपयोग किया गया है उनका उल्लेख संदर्भ ग्रथ सूची में अवश्य होना चाहिये। तथ्य दो प्रकार के हो सकते है एक सैद्धांतिक तथ्य और दूसरे व्यवहारिक तथ्य। यदि शोधार्थी ने साहित्य के पुर्नरावलोकन कर लिये तो समझाना चाहिये कि 50 प्रतिशत काम हो गया। पीएच. डी शोध की जॉच करते समय महत्वपूर्ण बिंदु जो एक प्रोफेसर ध्यान देते है —

- 1. संदर्भ ग्रथ सूची में यह अवलोकन किया जाता है कि आपने किस स्तर का साहित्य पढ़ा।
- 2. आपके उद्देश्य क्या थे उद्देश्य के अनुसार आपके निष्कर्ष हैं या नहीं
- 3. शोध प्रविधि क्या उपयोग की गयी।

शोध के उद्देश्य विशिष्ट होने चाहिये एवं 4 या 5 उद्देश्य से अधिक नहीं होने चाहिये।

शोध लिखते समय आचार संहिता का ध्यान रखना आवश्यक है प्लेगरिज्म एक अत्यंत महत्वपूर्ण तत्व है जिसका ध्यान हर एक शोधार्थी को रखना चाहिये। 20 प्रतिशत से अधिक नकल होने पर शोध प्रबंध स्वीकृत नहीं किया जाता है।





DEVI AHILYA VISHWAVIDYALAYA, INDORE

NAAC Accredited 'A' Grade University

Takshashila Campus, Khandwa Road, INDORE 452001(M.P.), Telephone (office) 0731-2362140,0731-2362150 E-mail: soss.davv@gmail.com, Website: http://www.soss.dauniv.ac.in/

Number of quality initiatives by DQAC/IQAC per year for promoting quality culture 2018-19

National Conference on "Gender Equity in India"

03, Nov, 2018

"To play the role of both men and women is only the Gender Equity".

The Social Sciences, DAVV, organized a National Conference on "Gender Equity in India" that was held on 03, November, 2018.

The Chief Guest of the program was the *Vice Chancellor of Devi Ahilya University, Shri Narendra Kumar Dhakad*. Other distinguished Guests of the program were *Dr. D.K. Dr. Verma (Professor, BRAUSS, Mhow), Dr. Ganesh Kawandia (Professor, Central University of Rajasthan), Dr. Savita Inamdar (Gynecologist and Social Worker, Indore), Dr. Aruna Kusumkar, Dr. Kaushal Vikram Mishra, Prof. Asha Shukla and Prof. Rajesh Mishra.*

The Anchoring of the program was done by Dr. Sarika Dixit (Faculty, SOSS)

Describing the purpose of Conference, *Dr. Rekha Acharya (HEAD, SOSS)*, said that, "Today both Equity and Equality are two of the most controversial issues in the world because Equity is an instrument and it gives rise to the process of Gender Equality in society. It is sad that our country is at the bottom of the level of gender equality and countries such as Pakistan are above us". She also said discussed about various policies and programs to achieve equality.

Dr. D.K. Verma (Professor, BRAUSS, Mhow) said that "Gender Equity is more important than Gender Equality" and while talking about "*Ardhanarishvar*" as the exact example of Gender Equity, he said that both men and women should play both roles'.



Dr. Ganesh Kawandia (Professor, Central University of Rajasthan) by expressing his views said that it is important for women to co-exist and connect their affairs with the economy, so that the increase in women's participation will improve the economy and passed a message to men that they should cooperate with women in household chores.

Dr. Savita Inamdar (Gynecologist and Social Worker, Indore) by expressing her thoughts said that,

"Development is impossible if the mother of the future generation is miserable. Where the girl is killed before her birth, then this empowerment is dishonest".

Describing her previous research results, *Dr. Aruna Kusumkar* said, "Working women due to male-dominated society cannot spend their income according to their wishes."

Dr. Kaushal Vikram Mishra said that it is very essential for women to use decision-making.

While expressing her thoughts, *Prof. Asha Shukla* said that, "not all men are bad & all women are good and Madhya Pradesh is also a stronghold of human trafficking".

Describing facts related to crimes against women, **Prof. Rajesh Mishra** said that women's security and social awareness should be given priority.

In the second session of this Conference, the Scholars/Researchers also presented that Articles/Research Papers were evaluated by special guests. The researchers showed their research results by presenting their articles on various subjects related to "Gender Equity". As a result, a new dimension of ideas on "Gender Equity in India" was established by this Conference.



In the presence of Vice Chancellor of the University *Shri Narendra Kumar Dhakad*, all the guests were honored by **Prof. Rekha Acharya** at the end of the program, and the program concluded successfully with a thankyou memorandum of *Dr. Varsha Patel (Faculty, SOSS)*.

Two Days Workshop

<u>On</u>

"Issues on Sustainable Agriculture Development"

A two-day workshop on "Issues for Sustainable Agriculture Development" was organized in the School of Social Sciences, DAVV on 15th and 16th November 2018 under the chairmanship of Dr. Rekha Acharya, Head of School of Social Sciences. This program was done under the auspices of Vibha Vani, New Delhi.

Head of the Department, Dr. Rekha Acharya, while introducing the program said that there are three major challenges facing the agriculture in this period - not getting the right price of crops, reduction in soil fertility and market failures. She further said that the production of agriculture in the whole country is uneven - somewhere the bumper & somewhere the fertile. Where there is bumper, farmers do not get the right price for their crops and there is a delay in the payment of sale in agricultural markets, and due to this, the farmers are being deceived in the debt trap and it becomes a vicious circle for our country's agriculture. She said that for this reason, to develop such a strategy through this workshop

by which agriculture can be a source of profit and emerging from these challenges, our country's agriculture, can achieve growth and sustainability, is the only aim of this workshop.

Honorable *Mr. Ashutosh Mishra*, former Vice Chancellor of Devi Ahilya University was present as the Chief Guest of the program. He described the topic of the Workshop as very important, as well explained the coordination between "What Market is and how to make the Market". He said that in the name of development we are ending our natural resources and said that our country should adopt new techniques of agricultural development from other countries. He also said that the revelation has given us a lot and what we are doing for it, is a matter of concern.

Mr. Jayant Sahastra Buddhe, National Organizing Secretary, Department of Viva Vaani said that sustainable development means *saving resources for the next generation*. He further said that "the first concern is that the soil fertility remains intact. Although there is an artificial arrangement of market pricing, the soil fertility cannot be determined by the market. He declared Malwa State as "Agro Climate Entity" and said that we should try to make the same policy of all the states without worrying about diversity. He also mentioned an idea of "food mile", which he explained to "how far a grain is coming to us". He also said that we should consume the life of every food. He said another important fact that keeping in mind the contemplation of India's contemplation materials such as Mahabharata, novel, Vedas etc., we should keep growing and working at the level of the world at the global level.

Mr. N. Vice President, Vishwa Vani. P. Rajeev ji said that we are living in the great era of social transformation and along with it many obstacles are also taking place together. He said in



reference to several books that we have descended with a new revolution, which is completely digital. described the three steps of revolution - the agricultural revolution. the industrial revolution and the digital revolution. He told that the change from the digital revolution has become more dynamic.

The program was also enlightened by the presence of Shri Pravin Rowdas,

National Secretary, Vibha Vani and former Director Shri Subhash Tamboli of Vibha Vani.

The *second day* of the workshop began with the address by Dr. Rekha Acharya (HEAD-SOSS) introducing the information about the previous day & with the discussion of the efforts made for establishing sustainable agricultural development in the country. At present, agriculture sector has been given high priority such as National Agriculture Market, Agriculture Skill Counseling of India etc. With this, the program was inaugurated with the welcome of Mr. Jayakumar Kumar, the Mentor and Advisor of Vibha Vani. Mr. Jayakumar Ji emphasized the matter with utmost importance and said that this kind of workshop will introduce new dimensions of sustainable agricultural development. He further said that if a country wants to make its people happy and hungry, then they have to choose a policy of sustainable development. The integrated sustainable development should be slogans for farmers, artisans, businessmen, entrepreneurs etc. The UNO has already designed sustainable development goals in different areas. To achieve this, India has to make a long distance.

Dr. Rekha Acharya, Head of School of Social Sciences, said that the National Innovation Foundation, India (Department of Science and Technology) and Social Science Studies will work together in Social work in agriculture and other fields. She also told that this kind of workshop should be organized more in future and should also include farmers in the same. She said that training and development programs for students and farmers should be organized. The program winded up with the felicitation ceremony of the Guest & thanksgiving Dr. Rekha Acharya, Head of Social Sciences, DAVV.